Total No. of Questions - 10] [Total Pages : 9

(2062)

9883

M.A. Education (CBCS) Examination

PHILOSOPHICAL BASES OF EDUCATION (Indian)

Paper–EDUC-301

(Semester–I)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 70

The candidates shall limit their answers precisely within the answer-book (40 pages) issued to them and no supplementary/ continuation sheet will be issued.

परीक्षार्थी अपने उत्तरों को दी गयी उत्तर-पुस्तिका (40 पृष्ठ) तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त पृष्ठ जारी नहीं किया जाएगा।

Note: Question paper has *five* Sections. Section-A is compulsory, consisting of 6 questions of one mark each and 4 short answer type questions of 2 marks each. Section-B, C, D and E have *two* questions each. Attempt *one* question each from Section B, C, D and E.

नोट : प्रश्न-पत्र में **पाँच** खण्ड हैं। खण्ड-अ अनिवार्य है, जिसमें छः प्रश्न एक-एक अंक के हैं और **चार** लघु उत्तरीय प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न दो अंक का है। खण्ड ब, स, द तथा य में प्रत्येक खण्ड में दो प्रश्न हैं। खण्ड ब, स, द और य में से **एक-एक** प्रश्न कीजिए।

SECTION–A

(खण्ड-अ)

Compulsory Question

(अनिवार्य प्रश्न)

1. Answer Objective Type Questions :

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) "Philosophy is not a choice between metaphysics and no metaphysics; it is always between a good metaphysics and bad metaphysics." Who said it ?

(a) Aldous Huxley

(b) C. Wolf

(c) J.F. Ferrier

(d) Julia Christopher.

"दर्शनशास्त्र एक मात्र तत्व मीमांसा के होने अथवा न होने के मध्य चुनाव नहीं है; बल्कि यह एक उत्तम तत्व मीमांसा एवं बुरी मीमांसा के मध्य चुनाव करता है"– यह कथन है

(अ) एल्डस हक्सले का

(ब) सी. वुल्फ का

(स) जे.एफ. फैरियर का

(द) जूलिया क्रिस्टोफर का।

(ii) In Indian Philosophy, we use the term for Philosophy. Darsana, which is a broader term and includes

(a) Direct : immediate and intuitive vision of reality

(b) The actual perception of truth

(c) 'See the self'

(d) All the above.

भारतीय दर्शनशास्त्र में फिलॉस्फी शब्द के लिए दर्शन (*Darsana*) पद का प्रयोग करते हैं जो एक व्यापक (वृहद) पद है, जिसमें सन्निहित रहता है

(अ) यथार्थ ज्ञान संबंधी निर्दिष्ट, तात्कालिक एवं अंर्तबोध का दर्शन

(ब) सत्य का यथार्थ प्रत्यक्षीकरण

(स) 'स्वज्ञान दर्शन'

(द) उपरोक्त सभी।

(iii) The Moto of all Indian Philosophy in order to realization of Supreme happiness is

(a) Shravan, Manan, and Nidhidhyasan

(b) Annihiliation from Adhyatmic; Adhibhautic and Adhidavic pains of this world

(c) Study of Sanihitas

(d) None of the above.

सर्वोच्च आनन्द की सम्प्राप्ति के संदर्भ में। समस्त भारतीय दर्शनों का उल्लेखनीय केन्द्रिक सूत्र है–

(अ) श्रवण, मनन एवं निदिध्यासन

(ब) सांसारिक आध्यात्मिक, आदिभौतिक एवं आदिदैविक तापों से मुक्ति

(स) संहिताओं का अध्ययन

(द) उपरोक्त में से कोई नहीं।

(iv) Vaishehik Philosophy is observed as counterpart of Nyay Philosophy because

(a) Vaisheshik concentrates over Prameyas while Nyay stands on Pramans

(b) Vaisheshik bases on poor logic but Nyay demands absolute logic

(c) Vaisheshik searches for metaphysical reflections but Nyay explores sources of valid knowledge

(d) All the above.

वैषेशिक दर्शन का न्याय दर्शन के सहयोगी पूरक के रूप में अवलोकन किया जाता है क्योंकि

(अ) वैषेशिक दर्शन प्रमेयों पर निर्भर करता है जबकि न्याय दर्शन प्रमाणों पर आधारित होता है

(ब) वैषेशिक सामान्य तर्क पर आधारित रहता है परन्तु न्याय दर्शन सम्पूर्ण वैध तर्क पर आधारित रहता है

(स) वैषेशिक प्रायः तत्व मीमांसा की खोज में संलग्न रहता है परन्तु न्याय शास्त्र वैध ज्ञान के स्रोतों को खोजता है

(द) उपरोक्त सभी।

(v) Generally which of the following branches of Philosophy are closely knitted with each other ?

(a) Axiology, Ethics and Aesthetics

(b) Epistemology, Metaphysics and Axiology

(c) Aesthetics, Logic and Metaphysics

(d) None of the above.

साधारणतया दर्शनशास्त्र की निम्न शाखाओं में सर्वाधिक घनिष्ठता कौन-सी शाखाओं में है?

(अ) मूल्य मीमांसा, नीति-शास्त्र एवं सौंदर्यशास्त्र

(ब) ज्ञान मीमांसा, तत्व मीमांसा एवं मूल्य मीमांसा

(स) सौंदर्यशास्त्र, तर्कशास्त्र एवं तत्व मीमांसा

(द) उपरोक्त में से कोई नहीं।

(vi) Who was the Chairman of Committee on Wardha Scheme of Basic Education in 1937 ?

(a) Dr. Zakir Hussain

(b) Dr. Abul Kalam Azad

(c) Mahatma Gandhi

(d) Vinoba Bhave.

1937 में बुनियादी शिक्षा की वर्धा योजना कमेटी के चेयरमैन (अध्यक्ष) कौन थे?

(अ) डॉ. जाकिर हुसैन

(ब) डॉ. अबुल कलाम आजाद

(स) महात्मा गांधी

(द) विनोबा भावे।

2. Short Answer Type Questions :

(a) Write only *four* major functions of Philosophy of Education.

(b) Epistemology and Education.

(c) Vedant and Education.

(d) Any *four* common features of the aims of education propounded by Vivekanand, Aurobindo and J. Krishna-murti.

लघु उत्तरीय प्रश्न :

(अ) शिक्षा दर्शन के केवल **चार** कार्यों को लिखिए।

(ब) ज्ञान मीमांसा एवं शिक्षा।

(स) वेदान्त एवं शिक्षा।

(द) शिक्षा के लक्ष्य संबंधी **चार** एक समान लक्षण जो विवेकानन्द, अरविंद एवं जे. कृष्णमूर्ति ने प्रतिपादित किए थे।

SECTION–B

(खण्ड-ब)

3. Critically discuss the relationship between Philosophy and Education. How it does pave the way for a teacher educator in understanding educational practices and problems ?

   दर्शन एवं शिक्षा के परस्परिक संबंध की समालोचनात्मक विवेचना कीजिए। यह एक शिक्षक-प्रशिक्षक का शैक्षिक अभ्यासों एवं समस्याओं के समझने में किस प्रकार मार्गदर्शन करती है?

4. 'Philosophy gives the aims of education while Education works for their realization.' Comment.

   'दर्शन शिक्षा के लक्ष्यों को जन्म देती है जबकि शिक्षा उन लक्ष्यों की सम्प्राप्ति के लिए कार्य करती है।' विवेचना कीजिए।

SECTION–C

(खण्ड-स)

5. Prepare a sequential list of basic branches of Philosophy. Discuss their inter-relationship along with their contribution in education.

   दर्शन की विभिन्न शाखाओं को क्रमिक ढंग से सूचीबद्ध कीजिए। इन सभी शाखाओं में अंतर्निहित संबंधों की विवेचना कीजिए तथा शिक्षा में उनका योगदान भी बताइए।

6. What is Samkhya Philosophy ? Who was its propounder ? What are its basic elements ? How it contributes in education ?

   सांख्य दर्शन क्या है? इसके प्रणेता कौन थे? इसके आधारभूत तत्व कौन-कौन से हैं? यह शिक्षा में क्या योगदान देता है?

SECTION–D

(खण्ड-द)

7. Describe the evolution, meaning and concept of Yoga Darsana, and discuss its practical utility in Education.

   योग-दर्शन के विकास-क्रम, अर्थ सम्प्रत्यय का वर्णन कीजिए। शिक्षा में इसकी व्यावहारिक उपयोगिता की विवेचना कीजिए।

8. How you can explain Vedanata Philosophy ? How it has nurtured the Indian Ethos and Eithics in present system of education ?

   आप वेदान्त दर्शन को किस प्रकार परिभाषित कर सकते हैं? वर्तमान शैक्षिक तंत्र में इसने भारतीय आदर्शों एवं नीतियों को किस प्रकार प्रतिपादित किया है?

SECTION–E

(खण्ड-य)

9. All Indian philosophers had contributed significantly to ameliorate the problems and psyche of human mind and education, but their efforts are consizing in small pockets of Indian society–why ?

   सभी भारतीय दार्शनिकों ने शिक्षा तथा मानव मन की समस्याओं के समाधान के लिए अथक महत्त्वपूर्ण प्रयास किए हैं परन्तु आज वे सभी भारतीय समाज के क्षुद्र खण्डों तक सिमट कर रह गये हैं–क्यों?

10. Prepare an exhaustive and systematic flow chart to critically evaluate the following elements in all Indian thinkers in your prescribed syllabus :

(a) Aims of Education.

(b) Pedagogical Innovations.

(c) Position of Teacher.

(d) Nature of Curriculum.

(e) Position of Child.

(f) Methods of Evaluation.

एक विस्तृत एवं सुव्यवस्थित प्रवाह-चित्र तैयार कीजिए जिसमें आपके पाठ्यक्रम में समाहित सभी शिक्षा दार्शनिकों का तुलनात्मक चित्रण निम्नलिखित बिंदुओं पर किया गया हो :

(अ) शिक्षा के लक्ष्य।

(ब) शिक्षण उन्मुखीकरण।

(स) शिक्षक का स्थान।

(द) पाठ्यक्रम की प्रकृति।

(य) छात्र की स्थिति।

(र) मूल्यांकन की विधियाँ।